पाठ 5. लौहपुरुष (केवल पढ़ने के लिए)

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्‌देश्य बच्चों में रचनात्मक विचार संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे चीज़ों व घटनाओं को देखने और करने का अभिनव तरीका अपना सकें। इस पाठ के माध्यम से बताया गया है कि कोई कार्य असंभव नहीं होता। बस उस कार्य को करने के लिए असीम उत्साह की ज़रूरत होती है।

अध्यापन संकेत

यह पाठ केवल पठन के लिए है। सरदार वल्लभभाई पटेल को 'लौहपुरुष' क्यों कहा जाता है, यह समझाएँ। आज़ादी में उनके योगदान की चर्चा विस्तार से करें। पाठ के आधार पर कुछ प्रश्न बच्चों से ही बनवाए जा सकते हैं जिनके उत्तर अन्य बच्चों से देने को कहा जा सकता है।